इस्लाम क्यों?

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: लेख इस्लाम की मान्यताएं इस्लाम क्या है

द्वारा: Laurence B. Brown, MD

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 09 Nov 2021

आइए खुलकर बात करें। लगभग सभी गैर-मुस्लिम तब तक इस्लाम का अध्ययन नहीं करते जब तक कि वे पहले अपने धर्मो से पूरी तरह निकल नही जाते। वो अपने धर्मों से असंतुष्ट होने के बाद ही, जैसे यहूदी धर्म, ईसाई धर्म और सभी प्रचलित "-वाद" - बौद्ध वाद, ताओवाद, हिंदूवाद (और, जैसा कि मेरी छोटी बेटी ने एक बार कहा, "पर्यटनवाद") - क्या वे इस्लाम को मानते हैं?

दूसरे धर्म जीवन के बड़े सवालों का जवाब नहीं देते, जैसे "हमें किसने बनाया?" और "हम यहाँ क्यों हैं?" शायद अन्य धर्म जीवन के अन्याय को एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण निर्माता के साथ नही जोड़ते। हम पादरियों में पाखंड, सिद्धांत में विश्वास के अस्थिर सिद्धांत, या धर्म-पुस्तक में भ्रष्टाचार देखते हैं। कारण जो भी हो, जिन धर्मो को हम जानते हैं उन धर्मों में कमियां देखते हैं, और 'अन्यत्र' देखें। और ये परम "अन्यत्र" इस्लाम है।

अब मुसलमान मुझे यह कहते हुए नहीं सुनना चाहेंगे कि इस्लाम "परम अन्यत्र" है। लेकिन यह है। इस तथ्य के बावजूद कि दुनिया में मुसलमानों की आबादी का एक-चौथाई से एक-पांचवां हिस्सा शामिल है, गैर-मुस्लिम मीडिया इस भयानक तरह से इस्लाम को बदनाम करता है कि कुछ ही गैर-मुस्लिम लोग धर्म को सकारात्मक रोशनी में देखते हैं। इसलिए, यह सामान्य रूप से अंतिम धर्म है जिसे साधक जांच करते हैं।

एक और समस्या यह है कि जब तक गैर-मुस्लिम इस्लाम की जांच करते हैं, तब तक अन्य धर्म आमतौर पर उनके संदेह को बढ़ा देते हैं: यदि हर "ईश्वर-प्रदत्त" ग्रंथ जो हमने कभी देखा है वह

भ्रष्ट है, तो इस्लामी ग्रंथ अलग कैसे हो सकता है? अगर गद्दारों ने अपनी इच्छाओं के अनुरूप धर्मों में हेरफेर किया है, तो हम कैसे कल्पना कर सकते हैं कि इस्लाम के साथ ऐसा नहीं हुआ होगा?

उत्तर कुछ पंक्तियों में दिया जा सकता है, लेकिन समझाने के लिए पुस्तकों की आवश्यकता होती है। संक्षिप्त उत्तर यह है: ईश्वर एक है। वह निष्पक्ष और न्यायी है, और वह चाहता है कि हम स्वर्ग का प्रतिफल प्राप्त करें। हालाँकि, ईश्वर ने हमें इस सांसारिक जीवन में एक परीक्षा के रूप में रखा है, ताकि योग्य को अयोग्य से अलग किया जा सके और अगर हमारे अपने उपकरणों पर छोड़ दिया जाए तो हम खो जाएंगे। क्यों? क्योंकि हम नहीं जानते कि वह हमसे क्या चाहता है? हम उनके मार्गदर्शन के बिना इस जीवन के मोड़ को नेविगेट नहीं कर सकते हैं, और इसलिए, उन्होंने हमें रहस्योद्घाटन के रूप में मार्गदर्शन दिया है।

निश्चित रूप से, पिछले धर्म भ्रष्ट हो चुके हैं, और यही एक कारण है कि हमारे पास रहस्योद्घाटन की एक श्रृंखला है। अपने आप से पूछें: यदि पिछले धर्म-पुस्तक अशुद्ध होते तो क्या ईश्वर एक और रहस्योद्घाटन नहीं भेजता? यदि पूर्ववर्ती धर्मग्रंथों को भ्रष्ट कर दिया गया था, तो उसकी योजना के सीधे मार्ग पर बने रहने के लिए, मनुष्यों को एक और रहस्योद्घाटन की आवश्यकता होगी।

इसलिए हमें पूर्ववर्ती धर्मग्रंथों के भ्रष्ट होने की अपेक्षा करनी चाहिए, और हमें अंतिम प्रकाशन के शुद्ध और मिलावटरहित होने की अपेक्षा करनी चाहिए, क्योंकि हम कल्पना नहीं कर सकते कि एक प्रेम करने वाला ईश्वर हमें भटका देगा। हम जो कल्पना कर सकते हैं वह यह है कि ईश्वर हमें एक धर्म-पुस्तक दे रहा है, और मनुष्य इसे भ्रष्ट कर रहे हैं; ईश्वर हमें एक और धर्म-पुस्तक दे रहे हैं, और लोग इसे बार-बार भ्रष्ट कर रहे हैं । जब ईश्वर ने अंतिम किताब भेजी, तो उन्होंने समय के अंत तक इसको संरक्षित करने का वादा किया।

मुसलमान पवित्र क़ुरआन को अंतिम रहस्योद्घाटन मानते हैं। आप इस पर विचार करें ... यह पढ़ने लायक है। तो आइए इस लेख के शीर्षक पर लौटते हैं: इस्लाम क्यों? हमें क्यों विश्वास करना चाहिए कि इस्लाम सत्य का धर्म है, वह धर्म जो शुद्ध है और इसमे अंतिम रहस्योद्घाटन है?

"बस मुझ पर भरोसा करो।"

आपने कितनी बार इस लाइन को सुना है? एक मशहूर कॉमेडियन मजाक में कहा करता था कि अलग-अलग शहरों के लोग एक-दूसरे को अलग-अलग तरह से कोसते हैं। शिकागो में, वे किसी को इस तरह से कोसते हैं, लॉस एंजलिस में वे किसी को उस तरह से कोसते हैं, लेकिन न्यूयॉर्क में वे कहते हैं, "मुझ पर भरोसा करो।"

इसलिए मुझ पर भरोसा न करें—हमारे बनाने वाले पर भरोसा करें। क़ुरआन पढ़ें, किताबें पढ़ें और अच्छी वेबसाइटों का अध्ययन करें। लेकिन आप जो कुछ भी करते हैं, शुरू करें, इसे गंभीरता से लें, और हमारे निर्माता से आपका मार्गदर्शन करने के लिए प्रार्थना करें।

आपका जीवन इस पर निर्भर नहीं हो सकता है, लेकिन आपकी आत्मा निश्चित रूप से इस पर निर्भर है।

© 2007

BrownL38@yahoo.com

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/hi/articles/496

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।